Speaking at "Pravasi Haryana Divas", Gurugram

January 10, 2017

मैं समझता हूँ आज नया दौर, प्रगति का दौर, विकास का दौर हरयाणा में चल रहा है | और 50 वर्ष की जो पहली नवम्बर को हरयाणा में 50 वर्ष स्थापना दिवस हुआ उसके लिए मनोहर लाल जी को, प्रदेश के सभी नागरिकों को और हम सब आज यहाँ उपस्थित प्रवासी हरयाणवियों को भी मैं बहुत बहुत बधाई देता हूँ | श्री राम विलास शर्मा जी, विपुल गोयल जी, राहुल नरबीर सिंह जी, कपिल देव जी, शायद कपिल देव जी ने हमारे हरयाणा का जितना नाम विश्वभर में रोशन किया और दूसरे सुरेन्द्र शर्मा जी को मैं किधर देख रहा था बैठे हुए | उन्होंने हास्य कविता से जिस प्रकार से पूरे विश्व में हरयाणा और हरयाणवी को प्रचलित किया है इन दोनों महानुभावों का मैं समझता हूँ हम सब की तरफ से मैं हृदय से धन्यवाद भी करता हूँ |

हमारे केंद्रीय नेता भारतीय जनता पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री डॉक्टर अनिल जैन जी, सुभाष गोयल जी, मान्य सांसद पूरे Zee Media Group के और Zee industrial house के आप मालिक हैं और मेरे लिए तो actually confusion है, मैं आपको uncle भी बोलता हूँ और भाई साहब भी बोलता हूँ | क्योंकि वास्तव में इनका ज्यादा घनिष्ट रिश्ता पापा के साथ था और मैं बहुत छोटा था जब आपके यहाँ पे आता था पहले लेकिन इनको नाराज़गी होती है अगर मैं uncle बोलता हूँ, बोलते हैं कि ज्यादा उम्र लगती है तू भाई ही बोला कर | एक दिन आपको याद होगा अटल जी के यहाँ आपने मुझे बड़ा डांटा था इस विषय पे |

मान्य श्री सुभाष बराला जी, भारतीय जनता पार्टी के हरयाणा प्रदेश के अध्यक्ष, श्री धेसी जी, चीफ सेक्रेटरी, अभी अभी होम सेक्रेटरी जी ने भी बड़ी अच्छी हमें ज्ञान दी मैं सोच रहा था शायद राजनीति में भी आने वाले होंगे, रिटायर होके | यहाँ पे उपस्थित सभी महानुभाव हरयाणा से जुड़े हुए प्रवासी हरयाणवी, देश और दुनिया से आये हुए हरयाणा के हमारे भाइयो और बहनों, प्रमुख नागरिक, मीडिया से जुड़े हुए बंधुगण | वास्तव में बहुत अच्छा लग रहा है आज इस कार्यक्रम में दो कारणों से, एक तो जैसे वह दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे में एक गाना था 'आजा परदेसी तेरा देस बुलाए रे', एक प्रकार से ऐसा सा माहौल है | यहाँ पे देशभर के आपने हरयाणवियों को इकठ्ठा कर दिया है, सरसों का साग-वाग खिलाओगे कि नहीं, मक्के की रोटी? बस तो अगर सरसों का साग, मक्के की रोटी मिल जाये तो मुझे लगता है सबको अपने हरयाणा के पुराने दिन भी याद आ जायेंगे |

लेकिन जैसा राम विलास जी कह रहे थे मेरा भी मूल हरयाणा से है, अम्बाला छावनी में मेरे माँ और पिताजी दोनों रहते थे | मैं वैसे मुंबई का पैदैशी हूँ | मेरा जन्म भी मुंबई में हुआ, पूरा समय मुंबई में

बिताया | गोहाना ज्यादा आता था, अम्बाला आने का ज्यादा मौका बचपन में नहीं मिला | मेरा ननिहाल गोहाना में था | लेकिन जब छोटा था तब एक बड़ी तकलीफ थी जब भी गोहाना आने की बात होती थी, माँ और भाई बहन तो आते थे, मैं उनके साथ कभी नहीं आता था | मैं ढूंढता रहता था कि पापा कब जाएंगे, क्योंकि पापा सुबह जाते थे दर्शन-वर्शन देके रात को वापिस आ जाते थे | और उनके साथ आने जाने का कारण बहुत सिंपल था क्योंकि शौच की व्यवस्था अच्छी नहीं थी और जब हम गोहाना आते थे शौचालय था घर के अन्दर लेकिन ऊपर छत नहीं था और वह बन्दर आके बैठ जाते थे तो बड़ा डर लगता था |

पर अब मान्य प्रधानमंत्री जी ने जो कार्यक्रम लिया है और जिसको मान्य मुख्यमंत्री जी बहुत तेज़ी से पूरे हरयाणा में लागू किया है जिन्होंने कि पूरे हरयाणा में हर घर में शौच होना चाहिए, शौच की सुविधा होनी चाहिए, अच्छी सुविधा होनी चाहिए | मैं समझता हूँ शायद यह छोटी छोटी बातें लगती हों लेकिन इन छोटी बातों में कितना गहरा सोच है, कितना गहरा भारत के भविष्य में सुधार का एक हमारे सबके लिए संकेत है मैं सिर्फ उस विषय को आप सबके समक्ष रखना चाह रहा था | मैं बात कर रहा हूँ लगभग 40 साल पुरानी, 40 साल पहले भी अगर मुझे इतना कष्ट दिखता था कि मैं अपने ननिहाल जाने से हिचकिचाता था तो आप सोचिए कि इस देश के साथ कितना अन्याय हुआ है | गत 7 दशकों तक जिस देश ने आज़ादी पाई है लेकिन आज भी जिस देश के मुख्यमंत्री, जिस देश के प्रधानमंत्री को चिंता करनी पड़े कि शौचालय की व्यवस्था से शुरू होगा देश का विकास, यह एक बहुत दुःख की भी बात है कि हमने 7 दशक ख़राब कर दिए, नुक्सान पा लिया | लेकिन ख़ुशी की बात यह है कि अब एक द्रण संकल्प लेके नेतृत्व उतरा है, कैसे हम देश का एक अच्छा सुनहरा भविष्य बनाएं, कैसे यह Kingdom of Dreams में सिर्फ ना आना पड़े लेकिन वास्तव में हम इसको एक we live those dreams in our kingdom, in our Haryana.

और मैं समझता हूँ यह एक बहुत अच्छा संजोग है कि पूरे विश्व के हमारे हरयाणा के मूल निवासी भाई बहन यहाँ पे उपस्थित हुए हैं क्योंकि आपको भी बदलते हुए देश का, बदलते हुए हरयाणा का झलक मिलेगा इस visit में और आगे आने वाले visits में आप benchmark कर पाएंगे कैसे आपका प्रदेश तेज़ी से प्रगति की और जा रहा है, कैसे आपके देश में बदलाव की आंधी आ रही है, कैसे आप सबको भी लगेगा कि अब हमें वापिस आना है, अपने देश वापिस आना है, अपने प्रदेश वापिस आना है | कुछ करके दिखाना है, कुछ अपने देश के लिए भी करके छोड़ना है | और करने के लिए बहुत अलग अलग तरीके हो सकते हैं कोई इसमें कोई stereotype रास्ता नहीं है कि आप सब वहां से छोड़ के यहाँ आ जायें, अलग अलग तरीके से अपने प्रदेश के साथ जुड़ने के मौके मिलते हैं |

अभी अभी कपिल देव जी बता रहे थे अपने sportspersons के लिए, we are very proud of our sportspersons, they have really done Haryana and the nation proud. But is that enough? क्या 125 करोड़ का देश ख़ुशी ले सकता है 2-3-4 medals लेके या हमने 100 medal की कल्पना करनी चाहिए और 100 medal के लिए लक्ष्य रखके काम करना चाहिए | यह हम सबके लिए एक challenge है | और मैं समझता हूँ कि हरयाणा के पास तो एक unique opportunity है, जिस प्रदेश में इतना talent हो, जिस प्रदेश में इतनी opportunities हों | और अगर हमारे देश विदेश के सभी प्रवासी इस काम में भी जुड़ जाते हैं कैसे हम यहाँ पे अच्छी sports academies बनाएं, कैसे हम यहाँ पे scholarships create करें अच्छे sportspersons के लिए जिससे उनके लिए एक अच्छा भविष्य educationally भी बन सके और साथ साथ में वह अपने sporting talent को भी nurture कर सकें | क्या हम सोच सकते हैं कि इनको सिर्फ सरकारी नौकरी के ऊपर निर्भर ना होना पड़े, लेकिन they can look for better callings in life. क्या इनकी भविष्य के बारे में हम सब यहाँ प्रवासी, हरयाणवी जो आयें हैं सोच सकते हैं कि हो सकता है यहाँ शायद 100-200 बाहर से आये हुए लोग हों, क्या एक एक व्यक्ति यह सोच सकता है कि मैं एक sportsperson को adopt करूँगा और sportsperson को adopt करना मतलब उसके एकदम बचपन से adopt करना |

While, of course, we have had some very outstanding sportspersons, पर अभी अभी दंगल तो मुझे लगता है हम सभी ने देख ली होगी, दंगल में जैसे दिखाया है, I am told it's a true story फोगट जी की | तो अगर जिस प्रकार की उसमें messages, subtle, humble messages आती हैं कि एक व्यक्ति ने अपनी नौकरी छोडके अपनी लड़कियों को train करवाया, उनको तैयार किया, क्या हम यह देख सकते हैं कि आगे और किसी को नौकरी ना छोडनी पड़े, पर्याप्त मात्रा में हम उनके लिए सेवा करें, उनके लिए मौके प्रदान कर पाएं | अलग अलग तरीके से, छोटे छोटे तरीकों से भी हम सब जुड़ सकते हैं अपने प्रदेश और अपने देश के साथ | और प्रवासी भारत दिवस जो अटल जी के समय शुरू हुआ था उसके पीछे संकल्पना यही थी हम भी appreciate करें, recognize करें आप सबका talent, आप सबकी achievements और आप सब भी जुडें अपने देश के साथ |

अभी अभी होम सेक्रेटरी बता रहे थे अलग अलग हरयाणा की विशेषताएं चाहे वह बैटल ऑफ़ पानीपत हो, कैसे दिल्ली में कौन राज करेगा हरयाणा तय करता था | फिर चाहे वह भगवत गीता का प्रदान जो कुरुक्षेत्र में हुआ, पूरे देश और दुनिया को भगवत गीता मिली, चाहे वह संस्कृत में लिखी हुई भगवत गीता जो मुझे बताया गया कि वह भी हरयाणा में ही लिखी गयी पंडित वेदव्यास जी द्वारा | Harappan civilization की आपने बात की, राखीगढ़ी की बात की, अलग अलग तरीके से प्राचीन भारत से तो जुड़ा हुआ है हरयाणा | लेकिन अब हरयाणा आधुनिक और भविष्य .... के साथ जुड़ने जा

रहा है | अभी अभी हमने International Solar Alliance भारत की पूरे विश्व को पहली treaty based organisation की देन International Solar Alliance अभी अभी माराकेच में launch की गई लेकिन उसका नीव रखी गयी Paris में 30 नवम्बर, 2015 को | और पीछे हरयाणा में France के President और भारत के प्रधानमंत्री जी, दोनों ने आके गुरुग्राम में ही International Solar Alliance की भूमि पूजा की थी | यहाँ पे 5 acre के plot पे International Headquarter ISA का बनने जा रहा है | साथ ही साथ अगर देखें, तो जिस प्रकार से गुरुग्राम से ही मारुती सुज़ुकी के द्वारा पूरे देश के automobile sector का परिवर्तन हुआ, उसका आधुनिकरण हुआ, अलग अलग example से देखें तो हरयाणा के पास इतनी क्षमता है, इतना ज्यादा इसमें संपत्ति है कि यह भारत की पूरी अर्थव्यवस्था को तेज़ी से दौड़ा सकता है |

वैसे तो पीछे मैं दिल्ली के एक म्यूजियम गया था वहां पे एक reference है Haryana – HARIANA, ऐसा reference दिल्ली के म्यूजियम में मिला | और उसको explain करते हुए कहा है it is heaven on earth, Haryana – Heaven on earth. और मैं समझता हूँ कि शायद हम अगर ग्रामीण क्षेत्र के करोडपति गिनें देश और विदेश में तो शायद सबसे ज्यादा ग्रामीण करोडपति अगर कोई प्रदेश से आते हैं तो वह हरयाणा से आते हैं | Per capita income भी शायद हरयाणा का पूरे देश में it is amongst the highest | लेकिन हम सब अगर अपने अपने मूल जहाँ से हम निकले थे वहां पहुंचे तो अब भी कितना scope है development का, कितना scope है सुधार का | आखिर यह per capita income क्या सिर्फ गुरुग्राम में ही development हो हो के पूरे प्रदेश को चलाएगी या हम पूरे प्रदेश में equitable development करेंगे | खेती और agriculture के क्षेत्र में तो बहुत बढ़िया काम हुआ green revolution के माध्यम से पर शायद अब समय आ गया है to take that green revolution also to the next level | हम चाहते हैं कि अपने किसानों की आमदनी डबल हो लेकिन इस सब में भी आप सबसे बहुत सहयोग की हम अपेक्षा भी कर सकते हैं, आवश्यकता भी है | हो सकता है आप में से कोई budding scientist के पास कोई नयी technology हो, हो सकता है आप में से कोई उद्योगपति के पास कोई नयी innovation हो जो आप भारत ला सकें, हरयाणा में ला सकें, नए रोज़गार के अवसर बनेंगे, भारत की अर्थव्यवस्था और सुधरेगी, आगे बढ़ेगी | अलग अलग तरीके से एक जुड़ने का मौका है |

महाभारत में हरयाणा को बहुधान्याका बताया गया है, बहुधान्याका, जो अनाज का भंडार है | और एक प्रकार से मैं समझता हूँ कि हरयाणा तो वास्तव में सिर्फ अनाज का भंडार नहीं है उद्यमियों का भी भंडार है, it's like land of entrepreneurship | और हरयाणा के मूल निवासी पूरे विश्व में किधर चले जाओ नौकरी कम करते होंगे अपना व्यापार, अपना धंदा, अपना उद्योग चलाते हुए आपको मिलेंगे | उसमें

गोयल, अग्रवाल, गुप्ता, यह सब तो बहुत बड़े मात्रा में सब जगह मिलेंगे | हमारा सब का मूल तो सुभाष जी काफी develop कर रहे हैं अग्रोहा को और एक प्रकार से देखें तो महाराजा अग्रसेन की भी क्या कल्पना थी, एक ईंट और एक रुपया, जो आता था अग्रोहा में उसको एक ईंट एक रुपया देके एक establish करने के लिए एक मौका मिलता था | है छोटी बात लेकिन आप देखिये आज हम उस छोटी सी बात को पूरे भारतभर में कैसे प्रोत्साहन देने जा रहे हैं |

अभी अभी 31 December को, on the eve of New Year, मान्य प्रधानमंत्री जी ने दो और योजनाओं की घोषणा की | We already have, दो योजनाएँ हमारे पास अभी भी हैं - प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामी और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, उसमें अगर कोई व्यक्ति अपना घर खरीदता है, एक अफोर्डेबल हाउस सामान्य व्यक्ति खरीदता है तो 6.5% ब्याज की दर में रिहायत, 6.5% interest subvention, 6 लाख रुपये तक के ऋण पे भारत सरकार देती है | अब दो और योजनाओं को जोड़ा है कि 9 लाख के ऋण पे 4% और 12 लाख रुपये के ऋण तक 3% भी interest subvention या रिहायत भारत सरकार देगी |

अब आप सोच सकते हैं कि मैं यहाँ सरकार के गुण गाने या schemes सुनाने तो नहीं आया हूँ | लेकिन मैं इस बात को आप की तरफ रख रहा हूँ कि जो महाराजा अग्रसेन ने अग्रोहा में सेंकडों वर्ष पहले जो कल्पना रखी थी कि व्यक्ति आता है तो उसको कुछ एक रुपया जेब में हो घर चलाने के लिए | हर एक व्यक्ति एक एक ईंट दे, I am sorry I will just correct myself, हर व्यक्ति गाँव का एक एक ईंट और एक एक रुपया देता था तो कुछ capital बन जाये, मूल capital और एक एक ईंट सबसे मिल जाये तो उसका घर बन जाये तो एक अच्छे घर में रह सके, इज्ज़तदार जीवन जी सके उसका कितना बड़ा महत्व है वह आप इससे अंदाज़ा लगा सकते हैं | यह सोच इतने वर्षों पहले भी हमारे हरयाणा में थी | लेकिन आज दुर्भाग्य से स्थिति यह है कि शायद गुरुग्राम में भी slums develop हो गए हैं | दिल्ली की तो परिस्थिति आप सब जानते हैं, मुंबई की तो एकदम ही बुरे हाल हैं | और आज सेंकडों लोग हैं देशभर में जिनके पास एक रहने के लिए अच्छा घर नहीं है तो अब यह कल्पना की गयी है कि 2022 जब भारत 75 वर्ष आज़ादी के celebrate करेगा और मुझे पूरा विश्वास है आप सब उस वर्ष भारत आयेंगे, आप सब भी celebrate करना चाहेंगे इतना महत्वपूर्ण वर्ष भारत के लिए |

पर अपनी कल्पना है कि 2022 तक दो करोड़ ऐसे घर बनें, अच्छे घर बनें जिसमें चौबीस घंटे बिजली भी हो, पानी भी हो, एक अच्छा शौचालय हो, वहां पे महिला को चूल्हा ना जलाना पड़े, उसको LPG cylinder मिले, एक अच्छी सड़क हो घर तक पहुँचने के लिए, अच्छी शिक्षा अच्छी स्वास्थय की सेवाएं मिलें, एक सम्पूर्ण विकास व्यक्ति का जिसकी कल्पना पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने अपने 1963-64 में लिखे गए ग्रन्थ में एकात्म मानववाद में रखी थी, कि एक व्यक्ति को अगर खुश करना है तो उसका

सम्पूर्ण विकास होना चाहिए | ऐसा सम्पूर्ण विकास का केंद्र एक अच्छा घर होता है और हमारी कल्पना है कि पूरे देश में सभी के पास एक अच्छा घर हो रहने के लिए, सब सुख सुविधाएं उसके साथ जुड़ें | और मैं समझता हूँ हरयाणा भी इसमें तेज़ी से प्रगति कर रहा है | मुझे पीछे मुख्यमंत्री जी कह रहे थे लगभग 300 affordable housing की schemes हरयाणा approve करने जा रहा है, 300 schemes | अब ऐसी सब योजनाओं में अगर हमारे प्रवासी हरयाणवी भी जुड़ते हैं और अलग अलग प्रकार से जुड़ सकते हैं जिससे हमारे प्रदेश में गरीबी मिटे, वैसे तो मेरे खयाल से हरयाणा में relatively हमारे यहाँ पे मेरे ख़याल से गरीबी की समस्या नहीं है, एक प्रगतिशील प्रदेश है | लेकिन फिर भी हम अपने प्रदेश से जुड़ें, यहाँ के विकास से जुड़ें, यहाँ पे कैसे लोगों में और अच्छी शिक्षा जुड़ सकती है, कैसे लोगों को और अच्छा हम सुख सुविधाएं दे सकते हैं | इन सब योजनाओं के साथ जब हम सब प्रवासी जुड़ेंगे तो मैं समझता हूँ कि और बड़ी संख्या में हमारे यहाँ सेना नेहवाल भी पैदा होंगी और बड़ी संख्या में सुशील कुमार जैसे अच्छे sportspersons बनेंगे और यहाँ पे 10 कपिल देव बनके पूरे देश का cricketing sport को lead करेंगे, पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन करेंगे |

और एक जो हरयाणवी होने का हम सब में जो गर्व है, हम सब में जो उत्साह है उस उत्साह को आपने आज यहाँ पे आके हम सबको भी प्रोत्साहित किया है, हम सबको भी गौरवान्वित किया है | मैं मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी और सभी आपके साथियों का तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ कि आपने हम सबको मौका दिया कि हम सब यहाँ एकत्र हों, हम सब भी celebrate करें भारत के विकास को, हरयाणा के विकास को |

बहुत बहुत धन्यवाद आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं |